मौसम अपडेट
अधिकतम 34.0 न्यूनतम 28.0
सूर्योदय कल : 06:09
सूर्यास्त आज : 06:37

समर्थ संवाद

www.samarthsamvad.com www//facebook.com/samarthsamvad @samarth_samvad @samarthsamvad

● वर्ष : 1 ● अंक : 15 ● जालंधर, मंगलवार, 14 सितंबर, 2021

P-4 ज्वेलरी चुराकर घर से....

न्यूज ब्रीफ

तालिबानियों का दावा- पंजशीर से भागे विद्रोही नेता सालेह के घर 18 सोने की ईंटें और 48 करोड़ रुपए मिले

समर्थ संवाद, काबुल। अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह के घर से

तालिबान ने करीब 47.96 करोड़ रुपए (65 लाख डॉलर) और 18 सोने की ईंटें मिलने का दावा किया है। तालिबान के मुताबिक, पंजशीर पर उसके कब्जे के बाद उसके लड़ाकों ने सालेह के ठिकाने पर कब्जा कर लिया है। तालिबानी लड़ाकों ने एक वीडियो जारी कर इसकी पुष्टि की है।

खतरों के खिलाड़ी 11 से बाहर हुआ एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट

समर्थ संवाद, नई दिल्ली। रोहित शेट्टी का शो खतरों के खिलाड़ी 11 इस वक्त काफी चर्चा में बना हुआ है। जल्द ही शो का फिनाले होने वाला है उससे पहले शो के दो सदस्य एलिमिनेट हो गए हैं। फिनाले से पहले फिनाले रेस से जो दो कंटेस्टेंट बाहर हुए हैं। वो हैं सना मकबूल और अभिनव शुक्ला। शनिवार के एपिसोड में अभिनव को श्वेता तिवारी और विशाल आदित्य सिंह के साथ एलिमिनेशन स्टंट परफॉर्म करना था, जिसे वो हार गए और एविक्ट हो गए। हालांकि अभिनव के गेम से उनके फैंस काफी खुश हैं और सोशल मीडिया पर उनकी काफी तारीफ कर रहे हैं।

आपको बता दें अभिनव शुक्ला इस शो से पहले बिग बॉस 14 में भी नजर आ चुके हैं। बिग बॉस में भी अभिनव फिनाले से कुछ दिन पहले ही बाहर गए थे, जबकि उनकी पत्नी रुबीना दिलैक शो की विनर बनी थीं। खतरों के खिलाड़ी में अभिनव काफी अच्छा परफॉर्म कर रहे थे।

टीवी एक्ट्रेस सना मकबूल शो से बाहर हो गई हैं। एलिमिनेशन स्टंट में इस हफ्ते सना, श्वेता और वरुण सूद को परफॉर्म करना था, लेकिन सना दोनों को हरा नहीं पाई और शो से बाहर हो गई। एलिमिनेट होने के बाद सना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में सना ने फैंस से माफी मांगी, वहीं उन्हें सपोर्ट करने के लिए शुक्रिया कहा है। सना ने अपने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर किया है इस पोस्ट में एक्ट्रेस की फोटो नजर आ रही है जिसमें वो परफॉर्म करती दिख रही हैं।

राज भवन में शपथ ग्रहण समारोह

गुजरात के 17वें मुख्यमंत्री के रूप में भूपेंद्र पटेल ने ली शपथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

समर्थ संवाद, अहमदाबाद। अपने समर्थकों के बीच दादा के नाम से मशहूर भूपेंद्रभाई रजनीकांतभाई पटेल ने आज (सोमवार) गुजरात के 17वें मुख्यमंत्री के रूप में राज भवन में शपथ ग्रहण की। गुजरात के सीएम पद की शपथ लेने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूपेंद्र पटेल को बधाई दी। पीएम ने ट्वीट किया, ''मैं उन्हें वर्षों से जानता हूं और मैंने उनका अनुकरणीय कार्य देखा है, चाहे वह भाजपा संगठन में हो या नागरिक प्रशासन और सामुदायिक सेवा में। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शपथ ग्रहण समारोह के बाद गुजरात के नए सीएम भूपेंद्र पटेल को बधाई दी। समारोह में हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर, मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान, गोवा के सीएम प्रमोद सावंत समेत बीजेपी शासित राज्यों के सीएम भी मौजूद थे।

ज्ञात हो कि शनिवार को विजय रुपाणी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। गुजरात भाजपा विधायक दल की बैठक में रविवार को सर्वसम्मति से 59 वर्षीय भाजपा नेता भूपेंद्र पटेल का चयन मुख्यमंत्री पद के लिए किया गया था। मंत्रिमंडल के सदस्यों के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम दो दिन बाद किया जाएगा। भाजपा के केंद्रीय निरीक्षक, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय पर्यवेक्षक नरेंद्र सिंह तोमर एवं प्रह्लाद जोशी की मौजूदगी में गुजरात भाजपा विधायक दल की बैठक में अहमदाबाद के घाटलोडिया से विधायक भूपेंद्र पटेल को नेता चुना गया था। गुजरात के मुख्यमंत्री बनने वाले भूपेंद्र पटेल पांचवें पाटीदार होंगे जबकि कड़वा पाटीदार समुदाय के पहले मुख्यमंत्री होंगे।

गुजरात के मनोनीत मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आज शपथ ग्रहण समारोह से पहले अहमदाबाद में भाजपा नेता नितिन पटेल से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। इससे पहले गुजरात के मनोनीत मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री आवास

पर विजय रूपाणी से मुलाकात करने गए थे।

पाटीदार मत बैंक को साधने की कोशिश : गुजरात में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं भाजपा ने पाटीदार मत बैंक को साधने के लिए एक बार फिर पाटीदार चेहरे को सामने किया है। शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद थे इनके अलावा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई तथा गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह राजभवन गांधीनगर में आयोजित किया गया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत के समक्ष भूपेंद्र पटेल ने रविवार शाम को ही सरकार बनाने का प्रस्ताव पेश कर दिया था। इससे पहले रविवार दोपहर तक किसी को अंदाजा भी नहीं था कि गुजरात की राजनीति में बिल्कुल लो प्रोफाइल रहने वाले भूपेंद्र पटेल के सिर पर ताज सजेगा।

डिप्टी सीएम नितिन पटेल ने दी बधाई: गुजरात के डिप्टी सीएम नितिन पटेल ने भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देते हुए कहा कि वह मेरे पुराने पारिवारिक मित्र हैं। उन्हें सीएम के रूप में शपथ लेते देखकर हमें खुशी होगी। जरूरत पड़ने पर उन्होंने मेरा मार्गदर्शन भी मांगा है। नितिन पटेल ने कहा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए गुजरात आ रहे हैं। मैं एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने जा रहा हूं।

राज्य सरकार में कभी मंत्री नहीं रहे पटेल : भूपेंद्र पटेल इससे पहले कभी भी राज्य सरकार में मंत्री नहीं रहे हैं।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 20 वर्ष पहले गुजरात के मुख्यमंत्री बनने से पहले कभी मंत्री नहीं रहे थे। नरेंद्र मोदी को 7 अक्टूबर, 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई गयी थी। इसके बाद राजकोट विधानसभा सीट पर उपचुनाव में जीत हासिल कर, वह 24 फरवरी, 2002 को विधायक चुने गये थे। बता दें कि 182 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 112 विधायकों में से अधिकतर इस बैठक में मौजूद थे।

बुधवार को होगा पटेल के मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह

भूपेंद्र पटेल गुजरात के 17वें मुख्यमंत्री के रूप में सोमवार दोपहर शपथ ग्रहण हुआ। उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण संभवतः बुधवार को आयोजित होगा, जिसमें 15 से 18 मंत्रियों के शपथ लेने की संभावना है। निवर्तमान उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की कुर्सी के करीब पहुंचकर इससे वंचित रह गए। रविवार शाम को ही उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र मेहसाणा में पहुंचकर अपनी व्यथा को उजागर किया तथा भाजपा आलाकमान को साफ संदेश दिया कि जब तक वे लोगों के दिलों में हैं, उन्हें कोई भी नहीं निकाल सकता है। नितिन भाई ने कहा कि मैं भी मेहसाणा का पाटीदार हूं, मेहसाणा का पानी पिया है और पक्का पाटीदार नेता हूं। राजनीति में पूरी जिंदगी कई उतार-चढ़ाव देखे तथा हिम्मत हारने वालों में से नहीं हैं। विधायक दल की बैठक से पहले नितिन पटेल ने कहा था कि अगला मुख्यमंत्री मजबूत हो तथा ऐसा नेता चुना जाए, जिसे प्रदेश की जनता जानती-पहचानती हो। इससे पहले 2016 में भी मुख्यमंत्री के प्रबल दावेदार रहे नितिन पटेल के नाम के बजाय विधायक दल की बैठक में विजय रुपाणी को मुख्यमंत्री चुन लिया गया था। गुजरात में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है तथा पार्टी आलाकमान अब पुराने चेहरों के बजाय नए चेहरों के साथ जनता के बीच जाना चाहती है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल प्रदेश की राजनीति में एक तेजतर्रार एवं शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे हैं, उनकी सरकार व संगठन पर बराबर पकड़ रहने वाली है। इससे पहले कई मौकों पर वे विजय रूपाणी सरकार को भी मार्गदर्शन करते नजर आए थे। पहली बार विधायक बनकर सीधे मुख्यमंत्री बनने वाले भूपेंद्र पटेल चौथे ऐसे नेता है इनसे पहले नरेंद्र मोदी, शंकर सिंह वाघेला एवं निवर्तमान मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी पहली बार विधानसभा में पहुंचकर ही मुख्यमंत्री पद पर आसीन हो गए थे।

केवाईसी के नाम पर फ्रॉड, आरबीआई ने कहा- खाते की डिटेल, पासवर्ड अंजान एजेंसियों के साथ साझा न करें

समर्थ संवाद, नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने सोमवार को लोगों को ड उ अपडेशन के नाम पर धोखाधड़ी के प्रति आगाह किया और उन्हें खाता डिटेल या पासवर्ड जैसी महत्वपूर्ण जानकारी अज्ञात व्यक्तियों या एजेंसियों के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी है। आरबीआई ने कहा कि उसे केवाईसी अपडेशन के नाम पर ग्राहकों से किए जा रहे धोखाधड़ी के शिकार होने की शिकायतें/रिपोर्टें मिल रही हैं। ऐसे मामलों में सामान्य तौर-तरीकों में ग्राहक से कुछ व्यक्तिगत डिटेल, खाते/लॉगिन डिटेल/ कार्ड की जानकारी, पिन, ओटीपी साझा करने का आग्रह किया जाता है, इसके अलावा कॉल, SMS, e-mail आदि

किए जाते हैं। आरबीआई ने इससे बचने की सलाह दी है। साथ ही किसी भी अंजान लिंक पर क्लिक न करें और कोई अंजाना एप इनस्टॉल न करें। फ्रॉड करने वाले खाता फ्रीज करने, ब्लॉक या बंद करने की धमकी भी देते हैं।

आरबीआई ने कहा कि एक बार जब ग्राहक कॉल/मैसेज/अनधिकृत आवेदन पर जानकारी साझा करता है, तो जालसाज उनके खाते तक पहुंच जाते हैं। आरबीआई ने कहा, 'लोगों को यह चेतावनी दी जाती है कि वे खाता लॉगिन डिटेल, व्यक्तिगत जानकारी, केवाईसी दस्तावेजों की प्रतियां, कार्ड की जानकारी, पिन, पासवर्ड, ओटीपी आदि अज्ञात व्यक्तियों या एजेंसियों के साथ साझा न करें।

मलबे में दबकर दो बच्चों और एक बुजुर्ग की मौत, दिल्ली सरकार ने दिए जांच के आदेश

समर्थ संवाद, नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के मलका गंज इलाके में एक चार मंजिला इमारत के भरभराकर गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई, इसमें एक मां और उसके दो बच्चे शामिल हैं। बच्चों की मां उनको ट्यूशन से लेकर वापस घर लौट रही थी, इसी दौरान ये इमारत गिर गई जिसकी चपेट में ये तीनों भी आ गए। पापा का नाम नीतिन है और मां का नाम आयुषी। मां बच्चों को ट्यूशन से लेकर आ रही थी। छोटे बेटे का नाम प्रियांशु और बड़े बेटे का नाम सौम्य था। सूचना पर पहुंची दिल्ली पुलिस राहत और बचाव के काम में जुटी हुई है। मलबे में दब लोगों को

बाहर निकालने का काम भी जारी है। चार मंजिला इमारत के गिरने का मामला सोमवार 12 बजे के आसपास का है। हादसे की वजह लगातार बारिश होना भी बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इमारत में मजदूर लगे हुए थे, कुछ निर्माण का काम भी चल रहा था।

हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार व राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से मांगा जवाब : इमारत काफी पुरानी बताई जा रही है। इसमें पहले बैटरी रिक्शा और कई वाहन भी दबे होने की बात सामने आई थी, ये भी बताया गया कि इसमें लोग बैठे हुए थे। इसके अलावा इमारत में दूध की दुकान और हलवाई की दुकान भी चल रही थी। इमारत में कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। जिसमें मजदूर काम कर रहे थे।

दिल्ली सरकार ने दिए जांच के आदेश : वहीं, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में 2 बच्चों की मौत की खबर सामने आई है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वो उनके परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति दे। दिल्ली सरकार ने इस मामले की तत्काल जांच के आदेश दे दिए हैं। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

एलजी ने जताया शोक : दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने कहा कि सब्जी मंडी क्षेत्र में इमारत गिरने की दुखद घटना से व्यथित हूं। इस घटना में मारे गए बच्चों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। तत्काल राहत और बचाव कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जा रहे हैं।

गुजरात में बाढ़ : राजकोट में कार सवार कारोबारी ड्राइवर समेत नदी में बहे

समर्थ संवाद, राजकोट। भारी बारिश की वजह से गुजरात के कई शहरों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। इसका सबसे ज्यादा असर राजकोट और जामनगर में हुआ हैं। बादल फटने से राजकोट में पिछले 24 घंटों में 7 इंच और जामनगर में 10 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। इससे कई इलाकों में 10 फीट तक पानी भर गया है। राजकोट के छापरा गांव के पेस पेलिकन ग्रुप के मालिक किशनभाई शाह आई-20 कार समेत नदी में बह गए हैं। कार में उनका ड्राइवर भी था। दोनों का तलाश के लिए नेवी की मदद मांगी गई है। राजकोट के कलेक्टर अरुण महेश बाबू के अनुसार नेवी की एक टीम पोरबंदर से रवाना हो गई है।

मदद करने का मौका ही नहीं मिला : मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि हादसा इतनी तेजी में हुआ कि कोई कुछ समझ ही नहीं पाया। कार से एक व्यक्ति बाहर आया भी, लेकिन तभी पानी का बहाव बढ़ गया और कार तिनके की तरह बहती चली गई। कुछ ही देर में कार लोगों की नजरों से ओझल हो गई।

गुजरात के सौराष्ट्र में मूसलाधार बारिश गुजरात के सौराष्ट्र में पिछले दो दिनों से मूसलाधार बारिश का दौर जारी है।

राजकोट, जामनगर, जूनागढ़ और बिसावदर के हालात बेहद खराब हो चुके हैं। बाढ़ और जलभराव के कारण जामनगर के खिमराना गांव का संपर्क टूट चुका है। राजकोट का भी हाल बेहाल है। वहां जिला कलेक्टर ने मूसलाधार बारिश के कारण स्कूल और कॉलेजों में एक दिन की छुट्टी घोषित कर दी है।

तिनके की तरह बह गई आई-20 कार

मिली जानकारी के अनुसार, 50 वर्षीय किशनभाई शाह आज दोपहर अन्य साथी और ड्राइवर के साथ कार से फैक्ट्री के लिए रवाना हुए थे। कार आणंदपर-छापरा गांव के पास से गुजर रही थी। इसी दौरान पुलिया पर पानी बहने के बावजूद कार नहीं रोकी गई, जिससे कार पानी में फंस गई। कार से किशनभाई का परिचित किसी तरह बाहर आ गया, लेकिन इसी दौरान कार बह गई।

भारत में कोरोना के खिलाफ जारी टीकाकरण का आंकड़ा 75 करोड के पार, डब्ल्यूएचओ ने की तारीफ

समर्थ संवाद, नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ जारी लड़ाई अब निर्णायक मुकाम पर पहुंच गई है। देश में कोरोना के खिलाफ जारी टीकाकरण का आंकड़ा 75 करोड़ को पार कर गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट कर कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका प्रयास के मंत्र के साथ दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान निरंतर नए आयाम गढ़ रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव यानि आजादी के 75वें साल में देश ने 75 करोड़ टीकाकरण के आंकड़े को पार कर लिया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ ने भी कोविड रोधी टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के लिए भारत सरकार को बधाई दी है। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि भारत ने तेजी से टीकाकरण करते हुए केवल 13 दिनों में 10 करोड़ खुराक लोगों को लगाने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि 75 करोड़ वैक्सीन लगना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री, देश की जनता, कोविड वॉरियर्स और राज्य सरकारों का आभार प्रकट करता हूं। दुनिया के देशों के मुकाबले भारत टीकाकरण की मुहिम में बहुत आगे निकला है।

पहली मार्च से दूसरे चरण के तहत 60 से अधिक उम्र के लोगों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित 45 से 60 साल के लोगों का टीकाकरण शुरू हुआ। पहली अप्रैल से 45 से 60 साल की उम्र के सभी लोगों का टीकाकरण शुरू किया गया।

इस दौरान विपक्षी दलों ने 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों का टीकाकरण शुरू करने का दबाव डाला। साथ ही राज्यों को सीधे टीका खरीदने और लगाने का अधिकार देने की मांग की।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में अब तक पहली खुराक के रूप में 29,92,22,651 खुराक लगाई जा चुकी हैं। 18-44 वर्ष के आयु वर्ग में 4,37,98,076 खुराक वैक्सीन की दूसरी डोज के रूप में लगाई गई हैं। 45-59 साल के आयु वर्ग में 14,37,03,736 लोगों को पहली खुराक जबकि 6,31,16,459 को वैक्सीन की दूसरी खुराक दी गई है। यही नहीं 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को दूसरी खुराक के रूप में 4,94,45,594 डोज लगाई जा चुकी हैं स्वास्थ्य कर्मियों में 1,03,64,261 पहली खुराक जबकि 85,98,485 दूसरी खुराक लगा दी गई हैं।

कोवैक्सिन को इसी हफ्ते मिल सकती है डब्ल्यूएचओ की मंजूरी ; दुनिया भर में एक्सपोर्ट की जा सकेगी

समर्थ संवाद, नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन इस हफ्ते भारत के स्वदेशी कोरोना टीके कोवैक्सिन को मंजूरी दे सकता है। इसका प्रोडक्शन

हैदराबाद की कंपनी भारत बायोटेक कर रही है। इससे भारत सहित दुनिया के कई देशों में कोवैक्सिन लगवा चुके लोगों को फायदा मिलेगा।

डब्ल्यूएचओ का अप्रूवल न मिलने के कारण अब तक कोवैक्सिन लेने वाले लोग विदेशों की यात्रा नहीं कर पा रहे थे। मंजूरी मिलने के बाद इसे वैक्सीन पासपोर्ट की तरह इस्तेमाल किया जा सकेगा। कंपनी वैक्सीन को आसानी से दुनियाभर में एक्सपोर्ट भी कर पाएगी। भारत बायोटेक ने अप्रूवल के लिए हल्ड-जिनेवा में एप्लीकेशन दी थी। कोवैक्सिन को अब तक 13 देशों में मंजूरी मिल चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली एम्स में कोवैक्सिन के दोनों डोज लगवाए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली एम्स में कोवैक्सिन के दोनों डोज लगवाए थे।

संक्रमण पर 78% इफेक्टिव

कोवैक्सिन को भारत बायोटेक और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने मिलकर बनाया है। फेज-3 क्लिनिकल ट्रायल्स के बाद कंपनी ने दावा किया था कि वैक्सीन की क्लिनिकल एफिकेसी 78% है। यानी यह कोरोना इन्फेक्शन को रोकने में 78% इफेक्टिव है। अच्छी बात यह है कि जिन्हें ट्रायल्स में यह वैक्सीन लगाई गई थी, उनमें से किसी में भी गंभीर लक्षण नहीं दिखे। यानी गंभीर लक्षणों को रोकने के मामले में इसकी इफेक्टिवनेस 100% है।

ICMR का दावा- सभी वैरिएंट पर असरदार : कोवैक्सिन बनाने में मदद ICMR का दावा है कि यह वैक्सीन सभी तरह के वैरिएंट्स पर कारगर है। यानी न केवल यूके, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीकी वैरिएंट्स पर बल्कि भारत के 10 से अधिक राज्यों में सामने आए डबल म्यूटेंट वैरिएंट पर भी यह असरदार साबित हुई है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने की घोषणा

आईसीएमआर को कोरोना टीकों की आपूर्ति के लिए ड्रोन इस्तेमाल की मिली मंजूरी

समर्थ संवाद, नई दिल्ली। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को और अंडमान -निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर राज्यों में ड्रोन का उपयोग करके कोरोना टीकों की प्रायोगिक तौर पर आपूर्ति करने के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मिल गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को इस आशय की घोषणा की।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने आईसीएमआर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे को ड्रोन नियम, 2021 से सशर्त छूट दी है। मंत्रालय ने कहा है कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मणिपुर और नागालैंड में ड्रोन के उपयोग जरिए 3000 मीटर की ऊंचाई तक प्रायोगिक तौर पर ह्वबियॉन्ड विजुअल लाइन ऑफ साइट (बीवीएलओएस)ह्व सीमा तक वैक्सीन वितरण करने के लिए आईसीएमआर को अनुमति दी गई है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे को भी अपने परिसर में ड्रोन के शोध, विकास और परीक्षण के लिए ड्रोन का उपयोग करने की अनुमति मिल गई है।

मंत्रालय ने कहा, यह छूट संबंद्ध हवाई क्षेत्र की मंजूरी के नियमों और शर्तों के अधीन होगी और हवाई क्षेत्र की मंजूरी इस प्रकार दी गई मंजूरी की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तक मान्य होगी।

आईसीएमआर सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि उसे और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर को दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों इलाकों में ड्रोन द्वारा टीके पहुंचाने की व्यवहार्यता का परीक्षण करने के लिए एक संयुक्त शोध कार्यक्रम शुरू करने की अनुमति दी गई है। हालांकि, प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू करने से पहले आईसीएमआर अभी अन्य तकनीकी पहलुओं पर काम कर रहा है। आईसीएमआर में महामारी विज्ञान और संचारी रोगों के प्रमुख डॉ समीरन पांडा ने यूनीवार्ता को बताया आईआईटी कानपुर में इस शोध के लिए एक ड्राई रन के बाद हमें अनुमति मिली। इसके तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है और हम जल्द ही शोध शुरू करेंगे। हालांकि इसके लिए अभी तक समय सीमा तय नहीं की गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि आईसीएमआर की यह परियोजना देश के पहाड़ी और दूरदराज के क्षेत्रों में कोरोना टीके पहुंचाकर कोविड से निपटने के टीकाकरण अभियान को गति प्रदान करेगी।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तेलंगाना राज्य के विकाराबाद में पिछले हफ्ते शनिवार को अपनी तरह की पहली 'मेडिसिन फ्रॉम द स्काई' परियोजना शुरू की थी, जिसके तहत ड्रोन के उपयोग से दवाओं और टीकों की आपूर्ति की जाएगी।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 25 अगस्त को सरलीकृत ड्रोन नियम, 2021 को अधिसूचित किया था, जो मानव रहित विमान प्रणालियों के लिए पहले की तुलना में बहुत अधिक लचीले हैं। नए नियमों का मसौदा जुलाई में जारी किया गया था और इनके तहत, कई आवश्यकताओं और मंजूरी को समाप्त कर दिया गया है। इन कदमों से नागरिक ड्रोन ऑपरेटरों के लिए ड्रोन संचालन के आसान बनने की उम्मीद है।

Ministry of Civil Aviation
Government of India

icmr
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH

करियर में मनचाही सफलता पाने के लिए अपनाएं वास्तु के ये उपाय

जीवन में तरक्की सफलता या ग्रोथ किसे नहीं चाहिए। लेकिन कई बार हम कड़ी मेहनत के बाद भी मनचाही सफलता या करियर में ग्रोथ नहीं पाते हैं। हालांकि कई बार इसका कारण हमारी मेहनत नहीं बल्कि वास्तुदोष होते हैं।

जीवन में तरक्की, सफलता या ग्रोथ किसे नहीं चाहिए। लेकिन कई बार हम कड़ी मेहनत के बाद भी मनचाही सफलता या करियर में ग्रोथ नहीं पाते हैं। इससे हमारे मन में हताशा और निगेटिविटी घर करने लगती है, जिसका असर हमारी परफॉरमेंस पर भी पड़ता है। हालांकि कई बार इसका कारण हमारी मेहनत नहीं बल्कि वास्तुदोष होते हैं। जिनके कारण हम चाह कर भी या तो सही लगन से काम नहीं कर पाते या फिर करियर में मनचाही सफलता नहीं मिलती। आज हम आपको वास्तु के कुछ ऐसे उपायों के बारें में बताते हैं, जिन्हें अपना कर आप अपने करियर में मनचाही सफलता या ग्रोथ पा सकते हैं।

1-अपनी वर्किंग टेबल को जितना हो सके साफ-सुथरा रखें और इस पर कम से कम सामान रखें। वर्किंग टेबल का बहुत भर होना मानसिक उलझन और तनाव पैदा करता है।

2- कोशिश करें कि ऑफिस में आपके बैठने की जगह ऐसी हो जहां आपके पीछे दीवार हो। ऐसा होने से आपको अपने पीछे एक आधार या संबल का एहसास होता है, जिस कारण नये जोखिम लेने से भय नहीं लगता है।

3- अपने ऑफिस या वर्किंग प्लेस में कैक्टस या कांटेदार पौधे नहीं रखने चाहिए। वास्तु के अनुसार ये आपके कॅरियर में बाधा लाते हैं।

4- युद्ध, हथियार या हिंसक जानवरों की तस्वीर अपने ऑफिस में न लगाएं। इस कारण आपका आपके सहकर्मियों और बॉस से संबध में तनाव आ सकते हैं।

5- ऑफिस में डूबते जहाज की तस्वीर भी नहीं लगानी चाहिए, ये आप में निगेटिविटी पैदा करेगी।

6- अपने कार्यस्थल पर ताजे फूलों का गुलदस्ता या इसकी तस्वीर लगा कर रखें। ये आपकों पॉजिटिविटी का एहसास कराएंगे।

7- अगर आप अपने ऑफिस में या आस-पास निगेटिविटी महसूस करते हैं तो अपनी मेज पर एक शीशे के जार में या कटोरी में समुद्री नमक भर कर रखें। ये आपके आस-पास की सारी निगेटिविटी को दूर कर देगा।

संक्रांति का सूर्य किन राशियों के लिए है नुकसानदायक

ज्योतिष गणना के अनुसार 17 सितंबर को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश कर रहा है। इस घटना को कन्या संक्राति के नाम से जाना जाता है। सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करने को संक्राति कहा जाता है। सूर्य की इन संक्रातियों का अन्य राशियों और उनके जातकों पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह का प्रभाव पड़ता है। कन्या संक्राति पर सूर्य अपनी स्वराशि सिंह को छोड़ कर कन्या राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इसका प्रभाव कुछ राशियों के लिए नकारात्मक या नुकसानदायक हो रहा है। आइए जानते हैं उन राशियों और उन पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में....

1-मेष राशि : सूर्य का कन्या राशि में प्रवेश मेष राशि के जातकों के लिए शुभ नहीं है। कन्या संक्राति के कारण इस राशि के जातकों को अपने शत्रुओं और प्रतिस्पर्धियों से सावधान रहने की जरूरत है। ऑफिस पॉलिटिक्स भी इस काल में आपको नुकसान पहुंचा सकती है। कार्य क्षेत्र और घर-परिवार के झगड़ों से बच कर रहें।

2- मिथुन राशि : कन्या संक्राति के बाद सूर्य मिथुन राशि के चौथे भाव में आ रहा है। यह इस राशि के जातकों के लिए नकारात्मक संकेत बना रहा है। परिवार के प्रति सावधान रहने की जरूरत है। घर में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। गाड़ी चलाते समय विशेष ध्यान रखें, वाहन दुर्घटना होने की भी संभावना है।

3- तुला राशि : तुला राशि के जातकों के लिए सूर्य का राशि परिवर्तन आर्थिक रूप से शुभ नहीं है। इस काल में इस राशि के जातकों को धन निवेश का जोखिम नहीं लेना चाहिए। आपके खर्चों में भी अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो सकती है।

4- मकर राशि : मकर राशि के जातकों के लिए कन्या संक्राति स्वास्थ्य की दृष्टी से प्रतिकूल संकेत बना रही है। इस राशि के जातकों इस काल में अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पेट संबंधी रोग होने की संभावना है, इसलिए तला-भुना, मसालेदार या बाहर का खाना खाने से बचें।

राधाकृष्ण की अनन्य कृपा पाने के लिए कल करें राधा जी ये आरती

भगवान कृष्ण संपूर्ण जगत को मोहते हैं इसलिए ही उन्हें मोहन, मनमोहन या विश्वमोहन भी कहा जाता है। राधा जी ऐसे विश्वमोहन कृष्ण को मोहती हैं। पद्मपुराण में स्वयं श्री कृष्ण कहते हैं कि मैं जिसके मुख से भी राधा का नाम सुनता हूं, उसके पीछे हो लेता हूं। इसलिए संतों और मुनियों ने भी साक्षात परब्रह्म स्वरूप श्री कृष्ण को पाने के लिए राधा जी का आसरा लिया। पौराणकि मान्यता है कि राधा जी के पूजन के बिना कृष्ण का पूजन अधूरा है। पंचांग के अनुसार कल 17 सितंबर, दिन मंगलवार को राधाष्टमी का त्योहार है। इस दिन लक्ष्मी स्वरूपा राधा जी के धरती पर प्राकट्य का उत्सव मनाया जाता है। इस दिन विधि पूर्वक राधाष्टमी का व्रत रखने और पूजन करने से राधाकृष्ण की अनन्य कृपा होती है। राधा जी का षोडसोपचार पूजन करने के बाद उनकी आरती गा कर स्तुति करनी चाहिए। ऐसा करने से आपका पूजन पूर्ण होता है तथा सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है....

राधा रानी की आरती

आरती राधा जी की कीजै -2

कृष्ण संग जो करे निवासा, कृष्ण करें जिन पर विश्वासा, आरति वृषभानु लली की कीजै।।

आरती राधा जी की कीजै -2

कृष्ण चन्द्र की करी सहाई, मुंह में आनि रूप दिखाई, उसी शक्ति की आरती कीजै।।

आरती राधा जी की कीजै -2

नन्द पुत्र से प्रीति बढाई, जमुना तट पर रास रचाई, आरती रास रचाई की कीजै।।

आरती राधा जी की कीजै -2

जानिए पूजन विधि पूजन विधि और पूजा की सामग्री

प्रेम राह जिसने बतलाई, निर्गुण भक्ति नही अपनाई, आरती ! श्री ! जी की कीजै।।

आरती राधा जी की कीजै -2

दुनिया की जो रक्षा करती, भक्तजनों के दुख सब हरती, आरती दु:ख हरणी जी की कीजै।।

आरती राधा जी की कीजै -2

कृष्ण चन्द्र ने प्रेम बढाया, विपिन बीच में रास रचाया, आरती कृष्ण प्रिया की कीजै।।

आरती राधा जी की कीजै -2

दुनिया की जो जननि कहावे, निज पुत्रों की धीर बंधावे, आरती जगत मात की कीजै।।

आरती राधा जी की कीजै -2

निज पुत्रों के काज संवारे, आरती गायक के कष्ट निवारे, आरती विश्वमात की कीजै।।

आरती राधा जी की कीजै -2

आज का राशिफल

पंडित भागीरथ भूषण पाण्डेय
संपर्क : 94630-30375
संपादक, समर्थ संवाद (धर्म)

मेष : आर्थिक रूप से थोड़ा रूढ़िवादी रहना बेहतर है। आप जिस वृद्धि की उम्मीद कर रहे थे, वह जल्द ही वास्तविकता बन जाएगी। स्वस्थ दिनचर्या अपनाएंगे। परिवार प्यार करने वाला और देखभाल करने वाला होगा।

वृषभ : आर्थिक मोर्चे पर आ रही परेशानियां जल्द ही दूर होंगी। ऑफिस में प्रतिस्पर्धी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य के मोर्चे पर समस्याएं हैं। किसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की तैयारी हो सकती है।

मिथुन : प्रभावी ढंग से काम करने के लिए प्रबंधन कौशल निखारना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे, तो आप निश्चित रूप से दिन का भरपूर आनंद उठा पाएंगे। घरेलू मोर्चे पर शांति लाने के लिए अपना योगदान है।

कर्क : कार्यक्षेत्र में आप क्या कहते हैं या क्या करते हैं, इस पर ध्यान दें। पेशेवर सलाह उचित पाठ्यक्रम चुनने में मदद करेगी। आर्थिक मोर्चे पर आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा।

सिंह :बाद में समस्याओं से बचने के लिए आपको अभी बचत करना शुरू करना होगा। सम्पत्ति बेचने का विचार कर रहे हैं तो आज एक ईमानदार ऑफर मिल सकता है। नए क्षेत्र में रूचि पैदा होगी।

कन्या :आर्थिक स्थिति अच्छी चल रही है, इसलिए खरीदारी पर जा सकते हैं। जो बीमार चल रहे हैं, उनकी सेहत में सुधार के संकेत दिखाई देंगे। परिवार से पूरा समर्थन मिलेगा।

तुला :जिस अवसर की आप उम्मीद कर रहे थे वह शायद आपके काम न आए। जो लोग अपने स्वास्थ्य के बारे में अनावश्यक रूप से चिंतित हैं, वे अपने डर को शांत कर सकते हैं, क्योंकि सब कुछ ठीक है।

वृश्चिक : अच्छा वित्तीय प्रबंधन आपको हताशा से परे ले जाएगा और बचत में भी योगदान देगा। अतिरिक्त कार्यभार मिलेगा। हल्की कसरत उन लोगों के लिए चमत्कारी रहेगी जो फिटनेस के मोर्चे पर कुछ नहीं कर पा रहे है।

धनु : आर्थिक मोर्चे पर आत्मविश्वास का अनुभव करेंगे। कॉल सेंटर या हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम करने वालों के लिए अच्छा दिन है। परिवार के किसी युवा सदस्य को लेकर घरेलू मोर्चे पर उत्साह का संकेत है।

मकर : आप विविधता लाने या कुछ नया शुरू करने के लिए तैयार रहेंगे। ध्यान लगाकर काम करेंगे तो आसानी रहेगी। व्यायाम से सेहत में सुधार होगा। एक गेट टु गेदर काफी दिलचस्प और मनोरंजक साबित होगा।

कुंभ : बोनस या वेतन वृद्धि का वादा आपके उत्साह को बढ़ाने वाला रहेगा। बिजनेस पार्टनर या सहयोगी वरदान साबित होगा। सक्रिय जीवनशैली छोटी-मोटी बीमारियों को दूर रखने में मदद करेगी।

मीन : पैसों के मामले में आपको अलर्ट रहना होगा। जो लोग ऑफिस में अच्छा नहीं कर रहे हैं, वे अपना ध्यान केंद्रित करेंगे और सुधार करेंगे। स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे।

यूएस ओपन के फाइनल में वर्ल्ड नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को रूस के डेनिल मेदवेदेव ने हराया

सर्बिया के स्टार टेनिस प्लेयर का एक साल में चारों ग्रैंड स्लैम जीतने का सपना टूटा

समर्थ संवाद, न्यूयार्क। यूएस ओपन के रविवार रात देर रात को खेले गए फाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को दूसरी सीड रूस के डेनिल मेदवेदेव ने हरा दिया। इसके साथ ही जोकोविच का कैलेंडर स्लैम बनने का सपना भी टूट गया। जोकोविच ने इस साल के सभी तीनों ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन, विंबलडन ऑस्ट्रेलिया ओपन जीत चुके हैं। अगर वे वर ओपन को जीत जाते तो ऑस्ट्रेलिया के रॉड लेवर की बराबरी कर लेते। लेवर ने 1969 और 1962 में भी कैलेंडर स्लैम बनाया था। महिला खिलाड़ियों में आखिरी बार यह उपलब्धि जर्मनी की स्टेफी ग्राफ ने 1988 में हासिल की थी।

2 घंटे 15 मिनट तक चले फाइनल में मेदवेदेव ने लगातार तीनों सेटों में (6-4, 6-4, 6-4) जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। जीतने के बाद दानिल मेदवेदेव ने कहा, मैं अपनी टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो देख रहे हैं, मेरे माता-पिता, मेरा परिवार, कुछ यहां हैं, कुछ देख रहे हैं। स्लैम जीतने की आसान यात्रा नहीं है। इस यात्रा में मेरी मदद करने के लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं।

नडाल और फेडरर से आगे नहीं निकल पाए जोकोविच : जोकोविच के पास सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका था, पर मेदवेदेव से हार के

बाद वह राफेल नडाल, और रोजर फेडरर से आगे नहीं निकल पाए। अभी वे स्पेन के राफेल नडाल और स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर के साथ बराबरी पर हैं। तीनों के नाम 20-20 ग्रैंड स्लैम हैं।

9वीं बार खेले यूएस ओपन का फाइनल : जोकोविच ने शुक्रवार को जर्मनी के एलेक्सी ज्वेरेव को हराकर वर ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी। वे 9वीं बार इस टूनामेंट के फाइनल में पहुंचे थे। यह उनके करियर का ओवरऑल 31वां ग्रैंड स्लैम फाइनल था। जोकोविच तीन बार वरओपन चैंपियन रह चुके हैं।

सबसे ज्यादा ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब : जोकोविच को सबसे ज्यादा सफलता ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिली है। उन्होंने अब तक 9 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता है। विम्बलडन में वे 6 बार और वर ओपन में तीन बार चैंपियन बने हैं। उन्होंने सबसे कम खिताब फ्रेंच ओपन में जीते हैं। पेरिस में वे दो बार चैंपियन बन पाए हैं।

मेदवेदेव ने जीता सीजन का पहला ग्रैंड स्लैम : मेदवेदेव का सीजन का पहला ग्रैंड स्लैम है। हालांकि इससे पहले उन्होंने इसी साल उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में जोकोविच से हार का सामना करना पड़ा था। इस फ्रेंच ओपन में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया, जबकि विंबलडन के चौथे राउंड तक पहुंचे थे।

जो रूट से पिछड़े जसप्रीत बुमराह, इंग्लैंड के कप्तान चुने गए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

विमेंस कैटेगरी में आयरलैंड की एमियर ने मारी बाजी

समर्थ संवाद, दुबई। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में तीन शतक जमाने वाले इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को आईसीसी ने अगस्त महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ (मेंस कैटेगरी) चुना है। रूट ने टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और पाकिस्तान के बॉलर शाहीन शाह अफरीदी को पीछे छोड़ते हुए यह अवॉर्ड अपने नाम किया। विमेंस कैटेगरी में आयरलैंड की एमिएर रिचर्डसन ने यह अवॉर्ड जीता है।

रूट ने 4 टेस्ट में 564 रन बनाए : इंग्लैंड के कप्तान ने भारत के खिलाफ सीरीज में 4 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में 94.00 की औसत से 564 रन बनाए। उन्होंने पहले तीन टेस्ट मैचों में तीन शतक जमाए। बुमराह ने इस सीरीज में अपनी गेंदबाजी से खासा प्रभावित किया था। उन्होंने चार टेस्ट मैचों में 18 विकेट लिए थे। ओवल में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड की दूसरी पारी में उन्होने शानदार स्पेल किया था। रूट अपने शानदार फॉर्म के बूते जो केन विलियम्सन को पीछे छोड़कर कउ टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पहला स्थान स्थान हासिल किया है।

अफरीदी ने दो टेस्ट में 18 विकेट लिए : शाहीन शाह अफरीदी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 18 विकेट चटकाए थे। दूसरे टेस्ट में उन्होंने दस विकेट अपने नाम किए थे और यह कारनामा करने वाले पाकिस्तान के चौथे सबसे युवा गेंदबाज बने। वेस्टइंडीज में खेली गई यह सीरीज 1-1 से बराबर रही थी।

नहीं खेला जा सका पांचवां टेस्ट : भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज का पांचवां टेस्ट मैच कैंसिल कर दिया गया। भारतीय टीम के जूनियर फिजियो योगेश परमार के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद टीम इंडिया के खेमे में डर का माहौल पैदा हो गया था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन मैदान पर उतरने से इनकार कर दिया था।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गॉवर ने कहा-टेस्ट से एक रात पहले कोहली ने बीसीसीआई को किया ईमेल; टीम ने टेस्ट के ऊपर IPL को तरजीह दी

समर्थ संवाद, मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर में खेला जाने वाला आखिरी टेस्ट रद्द किए जाने को लेकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गॉवर ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि पांचवें टेस्ट से एक रात पहले भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को ईमेल किया था। गॉवर का दावा है कि भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने टेस्ट के ऊपर कहछ को तरजीह दी। इसलिए वे मैच रद्द होने के साथ ही चार्टर प्लेन से वअए के लिए रवाना हो गए थे।

गॉवर ने कहा कि जब वे पहले दिन मैच देखने गए तो वहां परिस्थिति अलग थी। उन्हें पता चला कि कोरोना की वजह से आखिरी टेस्ट को रद्द कर दिया गया है। ऐसा नहीं है कि पहले टेस्ट रद्द नहीं हुए हैं। पर इस टेस्ट के रद्द होने की कोई वाजिब वजह नहीं रही। ऐसा नहीं था कि कोरोना की वजह से इसे रद्द किया गया हो, बल्कि खिलाड़ियों ने आईपीएल में खेलने को ज्यादा महत्व दिया। यह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत नहीं है। कहछ के रद्द होने के साथ ही कुछ भारतीय खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, रोहित शर्मा और विराट कोहली चार्टर प्लेन से वअए के लिए रवाना हो गए। जब पिछली बार इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम आई थी, तब टीम के कप्तान कोहली ने कहा था कि टेस्ट क्रिकेट उनके लिए काफी महत्व रखता है।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज समाप्त हो चुकी है, मैनचेस्ट टेस्ट भविष्य में हुआ तो भी इस सीरीज का हिस्सा नहीं होगा : सौरभ गांगुली

समर्थ संवाद, कोलकाता। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला भारतीय कैंप में कोरोना आउटब्रेक के कारण नहीं खेला जा सका। बताया जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड इस मैच को अगले साल आयोजित कराने पर बात कर रहे हैं। अब इस मसले पर बीसीसीआई प्रेसिडेंट सौरव गांगुली का बड़ा बयान आया है। गांगुली ने कोलकाता से छपने वाले अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर वह मैच भविष्य में हुआ तो भी इसे मौजूदा सीरीज का हिस्सा नहीं माना जा सकता है। इसलिए पांचवें टेस्ट को कैंसिल ही माना जाना चाहिए न कि स्थगित।

कोरोना से डरे हुए थे भारतीय खिलाड़ी : गांगुली ने कहा है कि भारतीय खिलाड़ियों ने मैनचेस्टर टेस्ट खेलने से मना कर दिया था। वे कोरोना के कारण डरे हुए थे। गांगुली ने बताया कि भले ही खिलाड़ियों ने टेस्ट खेलने से मना कर दिया हो, लेकिन इसके लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कोरोना पॉजिटिव पाए गए फिजियो योगेश परमार खिलाड़ियों के संपर्क में थे। वे लगातार उनके साथ काम कर रहे थे। जब खिलाड़ियों को पता चला कि वे पॉजिटिव हो गए हैं तो वे बुरी तरह परेशान हो गए। उनकी भावनाओं का सम्मान करना होगा।

शास्त्री पर नहीं होगी कोई कार्रवाई : माना जा रहा है कि कोच रवि शास्त्री के एक बुक लॉन्च कार्यक्रम में शामिल होने के कारण भारतीय कैंप में कोरोना की एंट्री हुई। गांगुली ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर अनुमति नहीं मांगी गई थी। हालांकि, इसके बावजूद शास्त्री के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। गांगुली ने कहा- आप लोगों को कब तक होटल के कमरों तक सीमित रख सकते हैं। यह संभव नहीं है। मैं भी वहां शूटिंग के लिए गया था। लगभग 100 लोग थे। सभी को टीका लगा हुआ था। लेकिन आप नहीं जानते हैं कि क्या होगा। दो टीके के बाद भी लोग संक्रमित हो रहे हैं।

आईपीएल को दोष देना उचित नहीं : इंग्लैंड के कई पूर्व दिग्गज आरोप लगा रहे हैं कि भारतीय खिलाड़ियों ने कहछ में खेलने को तरजीह देने के कारण टेस्ट मैच रद्द करवाया। इस पर गांगुली ने कहा कि बीसीसीआई गैर-जिम्मेदार बोर्ड नहीं है। हम दूसरे बोर्ड का सम्मान करते हैं। मैच रद्द होने का दोष आईपीएल को नहीं दिया जा सकता है।

धोनी सिर्फ टी20 वर्ल्ड कप में रहेंगे मेंटोर : बीसीसीआई ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए महेंद्र सिंह धोनी को टीम इंडिया का मेंटोर बनाया है। धोनी के भविष्य में टीम इंडिया के जुड़े रहने के सवाल पर सौरव गांगुली ने कहा कि वे सिर्फ टी20 वर्ल्ड कप के लिए हैं। उन्होंने स्पष्ट तौर पर हमें यह बता दिया है। रवि शास्त्री के कार्यकाल को लेकर उन्होंने कहा कि शायद वे फुल टाइम कोचिंग करने को लेकर तैयार नहीं हैं। हालांकि अब तक हमने उनसे इस बारे में साफ तौर पर कुछ भी नहीं पूछा है। जब वे आएंगे, तब इस बारे में बात होगी।

कुर्सी संभालते ही पीसीबी के नए अध्यक्ष ने भारत-पाकिस्तान सीरीज पर दिया बयान

समर्थ संवाद, नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा सोमवार को की गई। पूर्व कप्तान रमीज रजा को यह नई जिम्मेदारी अगले तीन साल के लिए सौंपी गई है। क्रिकेट से कमेंटेटर बने रजा ने पाकिस्तान क्रिकेट को लेकर लगातार बदलाव की बात की थी और अब उन्होंने कमाल संभालने के बाद इस पर अमल करने की बात कही है। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज कराए जाने पर हमेशा ही सवाल रहता है इस पर रजा ने साफ किया उनको किसी बात की जल्दी नहीं है।

पीसीबी के नवनिर्वाचिक अध्यक्ष रमीज रजा ने सोमवार को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज पर बात की। उनका कहना था कि इस वक्त को यह नामुमकिन जैसा है लेकिन वह इस चीज को लेकर जल्दी में भी नहीं हैं। इस समय उनका पूरा ध्यान देश की घरेलू क्रिकेट को बेहतर करने पर है।

रमीज बोले, यह बहुत ही बड़ी चुनौती है और प्रधानमंत्री ने मुझे यह बहुत ही मुश्किल काम करने का जिम्मा दिया है। अभी तो बहुत सारे चीजों को सही करने की जरुरत है। देखिए इस वक्त भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज करना तो नामुमकिन है। भारत और पाकिस्तान इस वक्त सिर्फ आइसीसी के टूर्नामेंट में ही आपस में खेलते हैं। दोनों देशों के बीच किसी भी फार्मेट में कोई

द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जाती है। पीसीबी ने कई बार आइसीसी से इस बारे में गुहार लगाई है लेकिन बीसीसीआइ ने साफ कर दिया है कि जब तक भारत सरकार इस बात की अनुमति नहीं देती भारतीय टीम पाकिस्तान के साथ क्रिकेट के रिश्ते बहाल नहीं करेगा।

यहां के खेल का माडल राजनीति कि वजह से बर्बाद किया हुआ है। इस वक्त तो हमारा सारा ध्यान इसके रुतबे को सही करने का होगा और हम इस चीज को लेकर किसी तरह की जल्दी में नहीं हैं। हमें इस समय घरेलू और स्थानीय क्रिकेट को बेहतर करने पर ध्यान देना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक महावीर प्रसाद द्वारा प्लामाग प्रिंटर्स, 448/13, अवतार नगर, जालंधर से प्रकाशित व एस.सी.ओ. 1, दूसरी मंजिल, छोटी बारादरी पार्ट-1, नजदीक पिम्स अस्पताल, जालंधर (पंजाब) से प्रसारित। मुख्य संपादक : रमेश अरोड़ा*। फोन : 0181-4666583, टाइटल कोड : PUNHIN01947

किसान आंदोलन पर कैप्टन अमरिंदर का बड़ा बयान

पंजाब में आंदोलन न करें किसान, इससे राज्य को आर्थिक नुकसान हो रहा; दबाव बनाने के लिए जो चाहें हरियाणा और दिल्ली जाकर करें

समर्थ संवाद, होशियारपुर। किसान आंदोलन को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बड़ा बयान दिया है। होशियारपुर में एक समागम के दौरान उन्होंने कहा कि किसान पंजाब में आंदोलन न करें। वो चाहें तो हरियाणा और दिल्ली में जाकर चाहे जो कुछ करें, अपना दबाव बनाएं लेकिन पंजाब का माहौल न बिगाड़ें। कैप्टन ने कहा कि पंजाब में किसान 113 जगहों पर धरना लगाकर बैठे हैं। इससे पंजाब को आर्थिक नुकसान हो रहा है। कैप्टन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि किसान नेता उनकी अपील पर विचार करेंगे।

कैप्टन ने कहा कि पंजाब सरकार ने किसान आंदोलन में पूरी मदद की है। अगर पंजाब सरकार रोक देती तो सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर इतनी भीड़ नहीं होती। किसानों की आवाज पूरे देश और दुनिया तक नहीं पहुंचती। कैप्टन ने कहा पंजाब सबसे पहला राज्य है, जिसकी सरकार ने इस कृषि सुधार

कानून को लागू करने से इनकार किया। इसके बाद हमने अपने कानून बनाकर भेजे लेकिन वो गवर्नर ने आगे नहीं भेजे। जिस वजह से उसे हम लागू नहीं कर सके।

अकाली दल पर भी साधा निशाना : कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अकाली दल पर भी निशाना साधा। कैप्टन ने कहा कि इस मुद्दे पर पंजाब सरकार ने ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई थी लेकिन अकाली दल वाले नहीं आए। जब हरसिमरत कौर बादल केंद्रीय मंत्री थीं तो उन्होंने कृषि कानूनों की हिमायत की। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने भी इसकी तारीफ की। हालांकि जब विरोध हुआ तो उन्होंने पलटी मार ली।

केंद्र की जिद से बिगड़ सकते हैं हालात : कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्र सरकार को कहा कि देश के संविधान में 127 बार संशोधन हो चुका है। अगर इन कानूनों से किसानों को परेशानी हो रही है तो फिर एक और बदलाव कर सकते हैं। वो किसानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठें। संसद बुलाएं और इसका समाधान निकालें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जिद से देश के हालात बिगड़ सकते हैं।

किसान नेता बोले, कैप्टन कॉर्पोरेट के हितैषी या किसानों के?

कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस बयान के बाद किसान नेता मनजीत सिंह राय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जिन 113 जगहों पर कैप्टन धरने की बात कह रहे हैं, वह कॉर्पोरेट मॉल और टोल प्लाजा हैं। कैप्टन बताएं कि वो कॉर्पोरेट के हितैषी हैं या किसानों के साथ हैं? कैप्टन बताएं कि क्या पंजाब का डवलपमेंट सिर्फ टोल प्लाजा या मॉल से होता है। उन्होंने धरने न लगाने के बयान पर कहा कि गन्ने की कीमत बढ़ाने के लिए भी हमें 5 दिन तक हाईवे पर जाम करना पड़ा। तब कैप्टन सरकार ने किसानों की बात सुनी।

किसान आंदोलन समझौते के क्रेडिट पर झींडा-चढूनी आमने-सामने

समर्थ संवाद, करनाल। हरियाणा के करनाल में किसान आंदोलन के दौरान अउर की अगुवाई वाली प्रशासनिक टीम से हुए समझौते के क्रेडिट को लेकर एचएसजीपीसी पूर्व प्रधान जगदीश झींडा और भाकियू हरियाणा अध्यक्ष गुरनाम चढूनी आमने-सामने आ गए। सोमवार को पहले झींडा ने डेरा कार सेवा से ऐलान किया कि पर्दे के पीछे रहकर उन्होंने सभी पक्षों से बातचीत कर समझौता करवाया। उनके इस ऐलान पर चढूनी ने टिप्पणी करते हुए गंदे लोग बताया। इसके जवाब में झींडा ने भी भाकियू नेता पर आरोप जड़े।

झींडा हीरो बनना चाहता है : चढूनी

जगदीश झींडा के ऐलान के बाद चढूनी ने बातचीत में कहा कि, "आए हाय, इन गंदे लोगों का क्या करूं। झींडा इस मामले में हीरो बनना चाहते हैं। जो न वार्ता में, न ऐलान में शामिल, फिर भी समझौते का श्रेय लेना चाहते हैं। मैं उन्हीं से बात करूंगा।"

झींडा बोले- चढूनी लड़ना चाहता है चुनाव, बेईमान आदमी : एचएसजीपीसी के पूर्व प्रधान झींडा ने जवाब में कहा कि चढूनी से कहता हूं कि हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा में चले जाते हैं। चढूनी से पूछकर ही सरकार से बातचीत

की थी। साथ ही कहूंगा कि जो मैंने बयान किया, उसकी एक भी बात 1 परसेंट झूठी नहीं है। चढूनी इलेक्शन लड़ना चाहता है। बेईमान है और लोग कह रहे हैं कुछ लेकर समझौता कर गया।

किसानों का नुकसान न हो इसलिए करवाया समझौता : डेरा कार सेवा करनाल में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व प्रधान जगदीश सिंह झींडा ने कहा कि वे किसानों के आंदोलन को खत्म करवाना चाहते थे। 7 सितंबर और 8 सितंबर की वार्ता में जब बात नहीं बनी तो शाम को समझौता करवाने का मन बनाया ताकि किसानों का नुकसान न हो। 1970 से भारतीय किसान यूनियन में 14 साल काम किया। पता है कि किसानों का समझौता कैसे करवाना है। घर से गुरुनानक देव के सामने बोला कि जब तक समझौता नहीं होगा वापस नहीं आऊंगा।

झींडा का दावा- एमसी बलविंद्र के घर हुई चढूनी से बात : करनाल आने के बाद भाजपा नेताओं से बात कर सीएम से संपर्क साधा और उनका पक्ष जाना। फिर गुरनाम सिंह चढूनी से करनाल में बलविंद्र सिंह एमसी के घर पर आधा घंटा बात करके तैयार किया। इसके बाद डीसी के पास सचिवालय में गए और सभी पक्षों को समझौते के लिए राजी किया। इसका परिणाम ये हुआ कि कुछ किसानों ने अपनी मांगों को बदला व कुछ सरकार झुकी और आखिरकार समझौता हो गया।

मणिमहेश में 4 लोगों की मौत, 3 शव बरामद, पाबंदी के बावजूद लोग जा रहे हैं यात्रा पर

समर्थ संवाद, चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा में पवित्र धार्मिक स्थल मणिमहेश से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सोमवार को यहां पर 3 लोगों के शव मिले हैं, जिसमें एक महिला भी शामिल है। रविवार को भी यहां पर एक युवक का शव बरामद हुआ था, जिसकी अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। 2 दिन के अंदर यहां पर 4 लोगों के शव मिलने से हड़कंप मच गया है। रेस्क्यू टीम मौके के लिए रवाना हो चुकी है। शवों को भरमौर लाने का काम चल रहा है। चारों शवों की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। मिली जानकारी के अनुसार, भरमौर का रहने वाला कोई लोकल व्यक्ति डल झील के पास से वापस आया तो जहां पर झील की परिक्रमा की जाती है, वहीं पर उसे 4 लोग बेसुध हालत में मिले। उसने नीचे आकर तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद रेस्क्यू टीम मौके के लिए रवाना हो गई।

रेस्क्यू टीम ने मौके पर जाकर जांच की तो पता चला कि 3 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक घायल है। इसमें एक महिला का शव भी है। मणिमहेश झील के पास मोबाइल सिग्नल न होने की वजह से अभी किसी भी तरह की जानकारी नीचे नहीं पहुंच पाई है। ऐसे में पुलिस भी शवों के भरमौर पहुंचने का इंतजार कर रही है, ताकि इनकी शिनाख्त की जा सके। यात्रा पर रोक लगने के बावजूद लोग चोरी-छिपे जा रहे हैं और हादसों का शिकार हो रहे हैं।

शवों को नीचे लाने में लगेंगे 12 से 13 घंटे : पुलिस का कहना है कि शवों को नीचे लाने के लिए अभी 12 से 13 घंटे लगेंगे। उसके बाद ही पता चल पाएगा कि मरने वाले लोग कहां के रहने वाले हैं। अगर उसके बाद भी शिनाख्त नहीं हो पाती है तो आधार कार्ड के जरिए पहचान की जाएगी। फिलहाल अभी किसी भी तरह की जानकारी पुलिस के पास नहीं है। शवों को नीचे लाने का काम चल रहा है। रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंचकर आगामी कार्रवाई में जुटी हुई है।

पर्वतारोहियों की टीम लाएगी शवों को नीचे : हड़सर से मणिमहेश झील तक जाने के लिए लोगों को 16 किलोमीटर का रास्ता तय करना पड़ता है। खड़ी चढ़ाई होने से मणिमहेश झील तक पहुंचने में 24 घंटे से ज्यादा का समय लग जाता है। जैसे ही गौरीकुंड के पास पहुंचते हैं, ऑक्सीजन कम हो जाती है और लोग ऑक्सीजन की कमी के कारण परेशान होना शुरू हो जाते हैं। ऐसे में प्रशासन भी लगातार लोगों से यही अपील करता है कि बीमार लोग इस यात्रा पर न जाएं।

जालंधर में कच्चे कर्मचारियों ने घेरा पावरकॉम ऑफिस

समर्थ संवाद, जालंधर। जालंधर में पावरकॉम में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों ने धरना लगा दिया है। पावरकॉम के जिला हेडक्वार्टर शक्ति सदन के बाहर वह प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब सरकार की तरफ से कम मैनपावर की मंजूरी दी गई। जिसके बाद ठेकेदार ने इन्हें हाल ही में नौकरी से निकाल दिया गया। उन्होंने कैप्टन सरकार पर आरोप लगाया कि एक तरफ वह घर-घर रोजगार के वादा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ उनकी नौकरी छीन ली गई। इन कर्मचारियों के जरिए फाल्ट ठीक करने का काम लिया जाता है। ऐसे में इनकी कमी से लोगों की मुश्किलें भी बढ़ेंगी। इस बारे में पावरकॉम के चीफ इंजीनियर जैनइंदर दानिया ने भरोसा दिया कि उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाएंगे।

धरना दे रहे विशाल, साहिल व जसविंदर ने बताया कि पंजाब सरकार ने 2014-15 में उन्हें पावरकॉम में कंप्लेंट हैंडलिंग बाइकर्स (सीएचबी) कर्मचारी के तौर पर भर्ती किया था। इसके बाद वो ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक पंजाब सरकार ने ठेकेदार दिया, जिसके बाद मैनपावर भी घटा दी गई। इस वजह से छंटनी कर उन्हें बाहर निकाल दिया गया। इस बारे में वह कई बार अफसरों से मिल चुके हैं लेकिन हर बार झूठा आश्वासन देकर वापस लौटा दिया जाता है।

155 कर्मचारी गवां चुके जान, 50 लाख का बीमा करे सरकार : पंजाब सरकार उनकी अनदेखी कर रही है जबकि बिजली लाइन पर काम करते वक्त उनके 155 कर्मचारी जान गवां चुके हैं। कर्मचारियों ने मांग की कि जिन्हें नौकरी से निकाला गया है, सरकार उन्हें वापस रखे। ज्यादातर

कर्मचारी 5 साल से ज्यादा समय से काम कर रहे हैं, सरकार सबको पक्की नौकरी दे। इसके अलावा ड्यूटी के दौरान मरे कर्मचारियों के वारिस को नौकरी और मुआवजा दिया जाए। वहीं, सभी कर्मचारियों का 50 लाख का बीमा कराया जाए।

बैठक में आश्वासन देकर मुकरे अफसर : इस संबंध में उनकी पावरकॉम के चेयरमैन कम मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) ए. वेणुप्रसाद के साथ पटियाला में बैठक हुई थी। उन्हें भरोसा दिया गया था कि कर्मचारियों को नौकरी पर रख लेंगे। इसके बावजूद सिर्फ 300 कर्मचारियों को ही रखा गया। जिस वजह से उनका रोष बढ़ गया और उन्होंने धरना लगा दिया।

पावरकॉम में सिर्फ 30% स्टाफ, कमी से बिगड़ेगी व्यवस्था : पंजाब में पावरकॉम की हालत यह है कि उनके पास सिर्फ 30% ही सरकारी स्टाफ है। बाकी 70% प्राइवेट कर्मचारियों के सहारे है। जालंधर की बात करें तो 17 लाख बिजली कनेक्शन हैं। इनमें कोई फाल्ट आए तो 700 की जगह 200 लाइनमैन और 1,050 की जगह 210 असिस्टेंट लाइनमैन ही ड्यूटी दे रहे हैं।

जालंधर में पुलिस कस्टडी से हथकड़ी समेत भागा चोर

महिला सब इंस्पेक्टर समेत 4 पर केस

समर्थ संवाद, जालंधर। जालंधर में पुलिस हिरासत से चोरी का आरोपी हथकड़ी समेत फरार हो गया। पुलिस ने उसे कोर्ट से एक दिन के रिमांड पर लिया था। जिसके बाद उसे साथ ले जाकर पुलिस ने चोरी की बाइक को रिकवर करने के लिए रेड की। वापसी में उसने घबराहट का बहाना बनाया। एएसआई जब पानी पिलाने नीचे उतरा तो वो साथ लगते गन्ने व धान के खेतों से भाग निकला। पुलिस ने अब इस मामले में लापरवाही बरतने पर महिला सब इंस्पेक्टर, एएसआई, हेड कांस्टेबल व फरार आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

प्राइवेट कार में गए थे रेड करने : सब इंस्पेक्टर सीमा एएसआई नरिंदर सिंह, हेड कांस्टेबल शिंगारा सिंह प्राइवेट गाड़ी में चोरी के आरोप मनप्रीत सिंह उर्फ मनी निवासी प्रतापपुरा को ले गए थे। गाड़ी प्राइवेट व्यक्ति लखवीर सिंह उर्फ मंगा चला रहा था। आरोपी मनप्रीत सिंह पुलिस के पास एक दिन के रिमांड पर था। यह टीम उसे चोरी की बाइक बरामद करवाने के लिए ले गई थी। उन्होंने बाइक बरामदगी के लिए लल्लियां कलां निवासी जतिंदर सिंह उर्फ मोनू के घर रेड की।

एएसआई पिछली सीट से पानी उठाने लगा तो धक्का देकर भाग निकला : रेड के बाद वो मनप्रीत सिंह उर्फ मनी को वापस थाना लांबड़ा लेकर आ रहे थे। जब वह रात करीब साढ़े 7 बजे रामपुर लल्लियां चौक पर पहुंचे तो आरोपी मनी ने अपनी छाती पर हाथ रख लिया। वह कहने लगा कि उसे बहुत घबराहट हो रही है। मुझे पानी पिलाओ। यह सुनकर एएसआई नरिंदर सिंह अगली सीट से उतरा और पानी निकालने के लिए पिछली सीट का दरवाजा खोला। इतने में मौका देख मनप्रीत मनी एएसआई को धक्का दिया और हथकड़ी समेत फरार हो गया।

अंधेरे में खेत छानती रही पुलिस, नहीं मिला आरोपी : इसके बाद पुलिस की टीम ने उसका पीछा करने की कोशिश की लेकिन रात हो चुकी थी। अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी मनी धान व गन्ने के खेतों से भाग निकला। इसके बाद पुलिस पार्टी ने तुरंत थाने में सूचना दी। जिसके बाद एसएचओ सुखदेव सिंह पुलिस फोर्स लेकर वहां पहुंचे लेकिन लेकिन आरोपी काबू नहीं आया।

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है : डीएसपी

गैस सिलेंडर चोरी कर भागा था आरोपी, उसी बाइक की थी पुलिस को तलाश : आरोपी मनप्रीत मनी के खिलाफ लांबड़ा आबादी की रहने वाली पिंकी बाघा ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने कहा था कि उसने घर के आंगन में गैस सिलेंडर व उसकी कॉपी रखी थी। वह इंतजार कर रही थी कि गैस वाला आएगा तो सिलेंडर भरवा लेगी। वह रसोई में काम करने गई तो आरोपी मनप्रीत मनी गैस सिलेंडर लेकर भाग निकला। बाद में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चैक की तो आरोपी उसमें नजर आ गया। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। अब पुलिस उससे चोरी में इस्तेमाल हुई बाइक की रिकवरी करने के लिए गई थी।

इस बारे में करतारपुर के डीएसपी सुखपाल सिंह ने कहा कि आरोपी के फरार होने के बाद आसपास के इलाकों में 3 थानों की पुलिस लगाई गई। जिसके बाद अगले ही दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि जिस एएसआई नरिंदर सिंह की लापरवाही से आरोपी भागा था, उसी ने उसे पकड़ा है। इसलिए अभी उस टीम के खिलाफ केस जरूर दर्ज किया गया लेकिन कोई विभागीय कार्रवाई नहीं की गई है।

जालंधर में आधी रात को गुंडागर्दी का हुआ नंगा नाच

बाइक से टक्कर मारने का विरोध किया तो दुकान पर आए नकाबपोश बदमाश; तोड़फोड़ कर नौकर को किया घायल

समर्थ संवाद, जालंधर। जालंधर के बस्ती बावा खेल इलाके के गौतम नगर में रविवार आधी रात नकाबपोश हमलावर एक दुकान में घुस गए। बदमाशों ने दुकान के अंदर जमकर तोड़फोड़ की। वहीं, वहां काम करने वाले कर्मचारी के साथ भी जमकर मारपीट की। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक सवार बदमाश वहां से फरार हो गए। हालांकि वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी कैद हो गए। वारदात की सूचना मिलने के बाद बस्ती बावा खेल पुलिस वहां पहुंची। मौके से सबूत जुटाने के बाद पुलिस ने घायल के बयान दर्ज कर बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

गौतम नगर में हवन सामग्री की दुकान के मालिक ने बताया कि शनिवार को उनका बेटा पत्नी के साथ जा रहा था। सड़क पर किसी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उनकी आपस में बहस हो गई। उस वक्त भी बेटे के साथ बैठी गर्भवती बहू को चोट लगी। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इसके बाद टक्कर मारने वाले बाइक सवार रात को उनकी दुकान पर आ धमके। दुकान के कर्मचारी हैप्पी ने बताया कि बाइक पर करीब 12 हमलावर आए थे। सबने मुंह पर नकाब पहने हुए थे। उन्होंने आते ही मालिक के बारे में पूछा। जब उसने कहा कि मालिक यहां नहीं है तो उन्होंने दुकान में तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी। उसने रोकने की कोशिश की तो उसके साथ भी मारपीट की गई। उसके सिर पर किसी भारी चीज से वार किया गया। जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर वहां से फरार हो गए।

मौके पर पहुंची बस्ती बावा खेल पुलिस के अफसरों ने कहा कि दुकान में तोड़फोड़ की फोटो खींचकर सबूत जुटा लिए हैं। अब घायल के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हमलावरों का भी ब्यौरा जुटाया जा रहा है। केस दर्ज सभी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

चमकौर साहिब से अकाली दल के हलका इंचार्ज और पूर्व कैबिनेट मंत्री के बेटे हरमोहन संधू ने दिया इस्तीफा

समर्थ संवाद, रोपड़। पंजाब की राजनीति में अपने लिए जमीन बचाने की कोशिश में बहुजन समाज पार्टी के साथ शिरोमणि अकाली दल के गठबंधन के नकारात्मक परिणाम सामने आना शुरू हो गए हैं। सोमवार को रोपड़ जिले में अकाली दल के वरिष्ठ नेता हरमोहन सिंह संधू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और साथ ही पार्टी भी छोड़ दी है। इसके पीछे गठबंधन के बाद बनी नाराजगी को ही बड़ा कारण माना जा रहा है। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया पेज पर खुद भी कुछ इसी तरह की नाराजगी संबंधी जानकारी साझा की है।

बता दें कि हरमोहन सिंह संधू साल 2019 में शिरोमण अकाली दल में शामिल हुए थे। इससे पहले वह पंजाब पुलिस में बड़े अधिकारी के पद पर सेवारत थे। जालंधर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं, वहीं आईएजी रैंक से नौकरी छोड़कर राजनीति में आए थे, वहीं उनकी माता पूर्व कैबिनेट मंत्री सतवंत कौर संधू अकाली दल की सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुकी हैं। हरमोहन सिंह संधू को खुद सुखबीर बादल ने एक बड़ी रैली में पार्टी में शामिल किया था। पार्टी ने हलका चमकौर साहिब का इंचार्ज भी बना दिया था।

सोमवार को वह उस वक्त फिर चर्चा में आ गए, जब उन्होंने पार्टी छोड़ दी। इसके कारण के बारे में संधू ने अपने सोशल मीडिया पेज पर जानकारी साझा करते हुए लिखा है, मेरे परिवार ने 1962 से अकाली दल की सेवा की है। हमारे हलके में बाहर से आकर विधायक बना व्यक्ति और कुछ शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी सदस्य, जिन्होंने पंथ के विरोध विपरीत शुगर मिल, मिल्कफैड (दूध उत्पादक) सोसायटी चुनाव के दौरान हमारे किसान भाइयों के कागज रद्द करवाए और पर्चे करवाए, मैं उनके हक में नहीं हूं। मैं अपनी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं'।

जालंधर में फिर एक्टिव हुआ भोतू गैंग

ज्योति चौक के पास कार का शीशा तोड़ रुपयों के हार और दस्तावेज चुराए

कार के अंदर पड़ा पत्थर, जिससे शीशा तोड़ा गया (दूसरे चित्र में) कार के अंदर पड़ा पत्थर, जिससे शीशा तोड़ा गया।

समर्थ संवाद, जालंधर। जालंधर में पत्थर मारकर कार का शीशा तोड़ सामान चोरी करने वाला भोतू गैंग फिर सक्रिय हो गया है। रविवार की रात उन्होंने ज्योति चौक के पास मशहूर सेठी हार वाले की कार का पत्थर मार शीशा तोड़ दिया। इसके बाद वो अंदर पड़े 15 हजार के हार व दस्तावेज चोरी कर फरार हो गए। मामले की शिकायत पुलिस को दे दी है। आरोपियों की पहचान के लिए पुलिस आसपास लगे उउळश कैमरे खंगाल रही है। कमिश्नरेट पुलिस के लिए यह गिरोह लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। पुलिस गैंग के मेंबरों को अब तक पकड़ नहीं पाई है।

सुबह कार के पास आए तो शीशा टूटा मिला : दुकान के मालिक दीपक सेठी ने बताया कि रविवार सुबह उन्होंने किसी ग्राहक को 15 हजार के हार बेचे थे। वो शाम को उन्हें वापस कर गए कि नए नोट वाले हार लेने हैं। उन्होंने हार कार में ही रख दिए और उसे ज्योति चौक के पास ही पार्किंग में खड़ी कर चले गए। सुबह जब वो कार के पास आए तो देखा की उसके शीशे टूटे हुए थे।

4 महीने पहले खरीदी थी कार, तब से यहीं करते थे खड़ी : उन्होंने अंदर चेक किया तो कार से रुपयों के हारों वाला बंडल गायब मिला। इसके अलावा कार के भीतर से दूसरे दस्तावेज भी चोरी हो गए। उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। दीपक ने कहा कि उन्होंने 4 महीने पहले ही कार खरीदी और तब से उसे यहीं खड़ी कर रहे हैं। अब उनके साथ यह वारदात हो गई।

चोरी की जानकारी देते दीपक सेठी।

शीशा तोड़कर सामान चुराने में एक्सपर्ट भोतू गैंग : भोतू गैंग जालंधर शहर में नया नाम नहीं है। इसके मेंबर शहर में लोगों की कारों के शीशे तोड़ते हैं और फिर अंदर से कैश, लैपटॉप समेत जो भी सामान मिले उसे चोरी कर लेते हैं। कई बार बड़े पत्थर तो कई बार गुलेल से भी शीशे तोड़ चुके हैं। इसके अलावा इंजन से तेल गिरने के बहाने कार सवार व ड्राइवर का ध्यान भटकाकर भी यह गिरोह कई वारदातें कर चुका है। कुछ समय से ऐसी वारदातें कम हो गई थी लेकिन अब फिर इस गैंग की दहशत पैदा होने लगी है।

नॉर्थ कोरिया ने किया मिसाइल टेस्ट: 1500 किमी की रेंज वाली मिसाइल जापान तक लगा सकती है निशाना

समर्थ संवाद, उत्तर कोरिया। उत्तर कोरिया ने रविवार को लंबी दूरी की नई मिसाइल का टेस्ट किया। यह मिसाइल 1500 किमी की दूरी तक वार कर सकती है। इस रेंज में नॉर्थ कोरिया जापान के अधिकतर हिस्से पर निशाना लगा सकता है। कोरियन एजेंसी ने बताया की यह क्रूज मिसाइल दो साल से तैयार हो रही थी। अमेरिकी विशेषज्ञों का मानना है कि इस मिसाइल में न्यूक्लियर क्षमता वाला सिस्टम होने की आशंका है। उत्तर कोरिया ने कहा कि यह मिसाइल अहम रणनीतिक हथियार है, जो देश की सैन्य ताकत में बढ़ावा करने के किम जोंग उन के विजन के मुताबिक है। इससे पहले मार्च में कोरिया ने कम दूरी की बलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की थी। जो बाइडन के प्रेसिडेंट बनने के बाद जनवरी में भी नॉर्थ कोरिया ने एक क्रूज मिसाइल को लॉन्च किया था।

अमेरिका को जापान और दक्षिण कोरिया की रक्षा की चिंता है : जापान के चीफ कैबिनेट सैक्रेटरी कात्सुनोबू काती ने कहा की हम नॉर्थ कोरिया की मिसाइल लॉन्च को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम वर और दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर इस पर निगरानी रखेंगे। यूएस इंडो पैसिफिक कमांड ने बताया की इस टेस्ट से यह पता चल रहा है कि नॉर्थ कोरिया अपने सैन्य कार्यक्रम को डेवेलप करने पर ध्यान दे रहा है।

तालिबानी नेता बरादर का आडियो क्लिप जारी, कहा- मैं पूरी तरह से सुरक्षित, उड़ाई गई मौत की अफवाह

तालिबान में सत्ता में शीर्ष पदों के लिए आपसी खींचतान के बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा

समर्थ संवाद, काबुल। तालिबान में सत्ता में शीर्ष पदों के लिए आपसी खींचतान के बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि मुल्ला अब्दुल गनी बरादर गोली लगने से घायल हो गए हैं। यह कहा जा रहा था कि पद को लेकर तालिबान नेताओं के बीच विवाद गहरा गया है। इसके बाद बरारद का एक आडियो क्लिप सामने आया है। इस क्लिप में कहा गया है कि मेरे गायब रहने के दौरान मीडिया एक्टिविस्ट ने प्रोपेगैंडा फैलाया है। बता दें कि अफगानिस्तान की नई सरकार में बरादर को डिप्टी प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि तालिबान गुटों के बीच सत्ता को लेकर संघर्ष की वजह से बरादर की मौत हो गई है।

इसके बाद बरादर ने अपना आडियो क्लिप जारी किया है। इस क्लिप में बरादर ने इन बातों को सिरे से खारिज कर दिया है। सामने आए आडियो क्लिप में उन्होंने कहा कि मैं यात्रा पर था। मेरे मौजूद नहीं रहने का फायदा उठाकर मीडिया एक्टिविस्ट ने प्रोपेगैंडा फैलाना शुरू कर दिया है। मैं और मेरा हर साथी पूरी तरह से ठीक हैं। खबरों ने हमेशा प्रोपेगैंडा फैलाने का काम किया है। इन अफवाहों को सिरे से खारिज करें, हम सब ठीक हैं। उन्होंने कहा कि जब दुश्मनों को सफलता नहीं मिली तो वे हमसे लड़े और मेरी मौत की खबरें फैला दीं। लेकिन हर दूसरे क्षेत्र की तरह यहां भी उन्हें हार मिली।

अफगानिस्तान पर तालिबान कब्जे के बाद अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार बनाने का अंतरराष्ट्रीय दबाव था। हालांकि, वह ऐसा करने में पूरी तरह से विफल रहा है। इसके पीछे की वजह हक्कानी नेटवर्क है। इसको सरकार में जगह दी गई है। हक्कानी नेटवर्क के मुखिया सिराजुद्दीन हक्कानी को अफगानिस्तान का नया गृह मंत्री बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यहां गौर करने वाली बात यह है कि हक्कानी अमेरिका की खुफिया एजेंसी एफबीआई की वांटिड लिस्ट में शामिल है। इसके अलावा, समावेशी सरकार बनाने के बजाय तालिबान ने सिर्फ पुरुषों वाली सरकार का गठन किया है।

बता दें कि बरादर अल्पसंख्यक समुदायों को तालिबान सरकार में शामिल करने का इच्छुक था। उधर, हक्कानी किसी के साथ सत्ता साझा नहीं करना चाहता था। इसे लेकर दोनों सिराजदुद्दीन और बरादर के बीच झड़प हो गई थी। इस लड़ाई में गोली तक चल गई। इस झड़प में बरादर घायल हो गए। इसके बाद बरादर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। इस घटना के बाद कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा कर दिया गया कि इस झड़प में गोली लगने से मुल्ला बरादर की मौत हो गई है।

ज्वेलरी चुराकर घर से भाग गई थीं मल्लिका शेरावत

बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर हैं। वह जल्द ही अपनी नई वेब सीरीज नकाब में नजर आने वाली हैं। मल्लिका शेरावत उन अभिनेत्रियों में से एक रही है जो हमेशा से अपने बोल्ड अंदाज के लिए जानी जाती है। इतना ही नहीं वह अपनी निजी जिंदगी के बारे में भी ढेर सारे खुलासे करती रहती हैं। अब मल्लिका शेरावत ने अपने बारे में एक और हैरान कर देने वाला खुलासा किया है। मल्लिका शेरावत इन दिनों वेब सीरीज नकाब के प्रमोशन में लगी हुई हैं। ऐसे में उन्होंने अंग्रेजी वेबसाइट बॉलीवुड बबल को इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में उन्होंने अपने फिल्मी करियर के अलावा निजी जिंदगी के बारे में ढेर सारे खुलासे किए हैं। मल्लिका शेरावत ने खुलासा किया है कि जब उन्होंने एक्टिंग में अपना करियर बनाने का फैसला किया तो उनके लिए अपने ही घर में पितृसत्ता से लड़ना कितना मुश्किल था। जिसके चलते उन्हें अपने घर से भागना पड़ा। अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अपने परिवार के बहुत विरोध का सामना करना पड़ा। मैंने पितृसता से लड़ाई की। मेरे पिता बेहद रूढ़िवादी हैं। मेरी मां भी, मेरा भाई भी। मेरे पास बिल्कुल भी समर्थन नहीं था। मैं बहुत भोली और मासूम थी। मैंने उनसे कहा कि मैं तो भाग कर ऐसे बन जाऊंगी एक्ट्रेस और मैं वास्तव में घर से भाग गई।' मल्लिका शेरावत ने मुंबई के अपने अनुभवों को भी साझा किया है।

'टाइगर 3' के सेट पर सलमान खान ने किया जमकर डांस

बॉलीवुड के दबंग यानी सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म टाइगर 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में वह अभिनेत्री कटरीना कैफ के साथ इस फिल्म की शूटिंग के लिए रूस के लिए रवाना हुए। यहां सलमान खान और कटरीना कैफ ने टाइगर 3 से जुड़ा एक रोमांटिक गाना फिल्माया। इसके बाद यह दोनों तुर्की के लिए रवाना हो गए। इन सबके बीच अब सलमान खान का एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरस हो रहा है।

उनके यह डांस वीडियो टाइगर 3 के सेट का बताया जा रहा है। वीडियो में सलमान खान अपने हिट गाने 'जीने के हैं चार दिन' पर डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह फिल्म के क्रू के साथ गाने का हुक स्टेप भी करते दिखाई दे रहे हैं। लेदर जैकेट और ब्लू डेनिम पहने सलमान काफी स्मार्ट लग रहे थे। उन्होंने एक गोल्फ कैप भी पहनी है जो उनके लुक को और स्मार्ट बना रही है। हालांकि कटरीना रैप-अप पार्टी से गायब नजर आ रही थीं। सलमान खान के इस डांस वीडियो को इंस्टाग्राम पर उनके फैन पेज salman.khan.universe ने साझा किया है। अभिनेता के फैंस और तमाम सोशल मीडिया यूजर्स उनके डांस वीडियो को खूब पसंद कर रहे है। साथ ही कमेंट अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आपको बता दें कि अब सलमान खान और कटरीना कैफ अपनी आगामी फिल्म टाइगर 3 की शूटिंग के लिए तुर्की पहुंचे हैं। सलमान और कटरीना की इस दौरान की कई तस्वीरें सामने आती रहती हैं। बीते दिनों इन दोनों सितारों की एक तस्वीर सामने आई थी जिसमें दोनों तुर्की के पर्यटन मंत्री के साथ नजर आ रहे थे। यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही थीं। सलमान खान और कटरीना कैफ ने फिल्म टाइगर 3 की शूटिंग के बीच तुर्की के पर्यटन मंत्री Mehmet Nuri Ersoy के साथ खास मुलाकात की है। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुईं।

अफगानिस्तान में चरमराई स्वास्थ्य सेवाएं, विश्व बैंक से मिलने वाले फंड की कमी से हालत खस्ता

समर्थ संवाद, काबुल। जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अफगानिस्तान में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली चरमराकर ढहने की कगार पर है। इससे लाखों लोगों की जान का संकट हो सकता है। साथ ही, मानवीय संकट गहरा सकता है। देश की मौजूदा स्वास्थ्य सेवाएं जैसे-तैसे अंतरराष्ट्रीय दानकताओं के दम पर चल रही हैं। लेकिन जैसे ही तालिबान ने सत्ता पर कब्जा कर लिया, विश्व बैंक समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं ने स्वास्थ्य सेवा सहायता के रूप में दिए जाने वाले 600 मिलियन डालर की सहायता रोक ली है। उनका मानना है कि वह एक ऐसे देश को यह सहायता राशि कैसे दें, जिसपर आतंकी संगठन तालिबान के लोग काबिज हैं। अमेरिका, रूस जैसे कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने तालिबान को प्रतिबंधित आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है।

अगर जल्द ही विश्व बैंक की ओर से दी जाने वाली मदद बहाल नहीं की जाएगी, लोग स्वास्थ्य सेवाओं के लिए काम करने से पीछे हट जाएंगे। अभी भी बहुत से स्वास्थ्य कर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर स्वास्थ्य सेवा को अंजाम दे रहे हैं। इनमें से कइयों को महीनों से वेतन तक नहीं मिला है।

अफगानिस्तान पहले से ही गरीबी के निचले पायदान पर है। अगर विश्व बैंक ने जल्द ही फंड जारी नहीं किया तो बहुत से स्वास्थ्य कर्मी नौकरी से निकाल दिए जाएंगे। यह लोग पहले ही निजी स्तर पर बहुत से खतरे उठाकर वहां काम कर रहे हैं। 34 में से 31 प्रांतों में बहुत से स्वास्थ्य सेवाएं चिकित्सकीय आपूर्ति नहीं होने की वजह से ठप पड़ गई हैं।

फंड की कमी के कारण अगले साल तक महिलाओं और बच्चों की मौत में 33 फीसद तक इजाफा हो जाएगा।

ग्लोबल फंड के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर पीटर सैंड्स ने कहा कि प्रतिवर्ष दो हजार से अधिक महिलाओं और 26 हजार से अधिक बच्चों की मौत होने की आशंका है। पूर्ववती अफगान सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डा.वाहिद मजरूह ने कहा कि यह संकट बहुत बड़ा है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में अफगानिस्तान पर डैमेज कंट्रोल की कवायद में जुटा पाकिस्तान

- पाकिस्तान की भूमिका को लेकर हो रही आलोचना
- पाकिस्तान भेज सकता है लगभग 40 राजनयिकों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल

समर्थ संवाद, नई दिल्ली। अफगानिस्तान में पाकिस्तान समर्थक सरकार के प्रबंधन में अपने जबरदस्त हस्तक्षेप को लेकर इमरान खान के नेतृत्व वाले पड़ोसी देश को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। इस बीच पाकिस्तान ने अपनी प्रतिष्ठा को बचाने के लिए डैमेज कंट्रोल करने की कवायद शुरू कर दी है।

इस्लामाबाद की प्रतिक्रिया में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 76वें सत्र में एक प्रमुख राजनयिक आक्रमण शामिल है, जो व्यापक रूप से उसकी आतंक प्रेम वाली धारणा का मुकाबला करने के लिए है। पाकिस्तान को न केवल इसलिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है, कि उसने अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार के गठन में भूमिका निभाई, बल्कि इस सरकार में हक्कानी नेटवर्क के उन शीर्ष नेताओं की तैनाती भी सुनिश्चित भी, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी के तौर पर जाना जाता है।

अब डैमेज कंट्रोल की मुद्रा में आए प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व में पाकिस्तान लगभग 40 राजनयिकों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल न्यूयार्क भेज सकता है। उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व इमरान खान करेंगे, जिसमें विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और विदेश सचिव सोहेल महमूद उनके साथ होंगे। एजेंडे में सबसे ऊपर 21-24 सितंबर के बीच होने वाली द्विपक्षीय बैठकें हैं।

यूएनजीए के वर्तमान अध्यक्ष, वोल्कन बोजकिर के अनुसार, 14 सितंबर से शुरू हो रहे यूएनजीए के 76वें सत्र में 83 राष्ट्राध्यक्ष शामिल होंगे। आमने-सामने की बैठक इस वर्ष महत्व रखती है क्योंकि पिछले सत्र को महामारी के कारण आनलाइन बैठक में बदलना पड़ा था।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा, तालिबान ने महिलाओं समेत कई वादे तोड़े, कतर ने की अपील

समर्थ संवाद, जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने तालिबान के तौर-तरीकों की सख्त आलोचना की है। यूएन की एक अधिकारी ने कहा किअफगानिस्तान में तालिबान शासकों ने महिलाओं को घर पर रहने का आदेश देने, किशोर लड़कियों को स्कूल जाने से रोकने और घर-घर जाकर तलाशी लेने सहित अधिकारों पर सार्वजनिक वादों का खंडन किया है। मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बाचेलेट ने कहा कि अफगानिस्तान एक 'नए और खतरनाक चरण' में है क्योंकि पिछले महीने आतंकी इस्लामी समूह तालि बान ने अफगानिस तान की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से काफी संख्या में महिलाओं और जातीय और धार्मिक समुदायों के सदस्य चिंतित थे।

उन्होंने जिनेवा में मानवाधिकार परिषद को बताया कि यह उन आश्वासनों के विपरीत है कि तालिबान महिलाओं के अधिकारों को बनाए रखेगा, पिछले तीन हफ्तों में महिलाओं को सार्वजनिक क्षेत्र से उत्तरोत्तर बाहर रखा गया है। बाचेलेट ने महिलाओं की अनुपस्थिति और जातीय पश्तूनों द्वारा उसके प्रभुत्व को

ध्यान में रखते हुए तालिबान सरकार की संरचना पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में प्रतिशोध में हत्याओं की रिपोर्ट की गई है। कुछ जगहों पर 12 साल से अधिक उम्र की लड़कियों को स्कूल जाने से रोक दिया गया है, वहीं महिलाओं को घर पर रहने के लिए कहा गया है। 2001 में अमेरिका के नेतृत्व वाले आक्रमण से पहले 1996-2001 के बीच तालिबान के दमनकारी शासन की याद दिलाता है, जिसे बाद में गिरा दिया गया था।

महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करे तालिबान: उधर, कतर के विदेश मंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान के नए तालिबान शासकों से कतर ने महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करने का आग्रह किया है और उनकी सरकार को मान्यता देने पर विचार करना अभी भी जल्दबाजी होगी। शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी दोहा में फ्रांसीसी विदेश मंत्री जीन-यवेस ले ड्रियन के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। लेड्रियन ने कहा कि दर्जनों फ्रांसीसी नागरिक अभी भी अफगानिस्तान में हैं और पेरिस उन्हें निकालने के लिए कतर के साथ काम कर रहा है। शेख मोहम्मद ने कहा कि हमने हमेशा तालिबान की सरकार से आग्रह किया है। हमने कल दोहराया कि महिलाओं के अधिकारों और अफगानिस्तान के विकास में उनकी भूमिका सहित अफगान लोगों के लाभ की रक्षा की जानी चाहिए।

कतर के विदेश मंत्री बोले, तालिबान महिलाओं का करे सम्मान, मान्यता देने पर विचार करना अभी होगी जल्दबाजी

समर्थ संवाद, दुबई। कतर के विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुर्रहमान अल थानी ने कहा कि उन्होंने तालिबान से आग्रह किया है कि वह महिलाओं का सम्मान करें। कतर के विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि तालिबान की सरकार को मान्यता देने पर विचार करना अभी जल्दबाजी होगी। कतर विदेश मंत्री फ्रांस के विदेश मंत्री जीन यवेस ले ड्रियान के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान में अभी भी फ्रांस के नागरिक फंसे हुए हैं। फ्रांस कतर के साथ मिलकर वहां से निकासी अभियान की योजना बना रहा है। उन्होंने बताया कि हमने हमेशा तालिबान से कहा है कि वह अफगानिस्तान में विकास के लिए अफगान लोगों और महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा करे।

बता दें कि तालिबान के पूर्व के शासन में महिलाओं के अधिकार सुरक्षित नहीं थे और उनकी शिक्षा पर भी पाबंदी थी। ज्ञात हो कि कतर की राजधानी दोहा में लंबे समय से तालिबान अपना राजनीतिक कार्यालय चलाता रहा है। तालिबान पर कतर का विशेष प्रभाव है।

सत्ता में आते ही अपने वादे से मुकरा तालिबान, महिलाओं पर कर रहा है सितम, बरसाए कोड़े, चिंतित हुआ यूएन

समर्थ संवाद, काबुल/जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की प्रमुख मिशेल बाचेलेत ने कहा है कि तालिबान ने महिलाओं के मामले में अपने वादों को पूरा नहीं किया है। उन्होंने मानवाधिकार परिषद को बताया कि तालिबान के कब्जे के बाद उसके द्वारा की गई बातों से जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। तालिबान के शासन में महिलाएं, अल्पसंख्यक, जातीय और धार्मिक समुदाय अपने अधिकारों के प्रति चिंतित हैं। पिछले तीन सप्ताह के तालिबान के कार्य निराश करने वाले हैं। तालिबान ने कहा था कि वह महिलाओं के अधिकारों का संरक्षण करेगा, लेकिन ऐसा हकीकत में नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि तालिबान ने पूर्व सुरक्षा अधिकारियों और कर्मचारियों को आम माफी के वादे को भी पूरा नहीं किया है।

काम पर लौटने से महिलाओं को जबरन रोका जा रहा : एएनआइ के अनुसार पूर्व की सरकार में नौकरी कर रही महिलाओं को अब तालिबान काम पर लौटने से जबरन रोक रहा है। अब महिलाएं यहां सरकार से वापसी का अधिकार मांग रही हैं। भारत से विधि स्नातक शगुफा नाजिबी ने बताया कि वह दस साल से अफगान संसद में काम कर रही हैं। जब वह काम पर लौटीं तो उन्हें डरा-धमकाकर वापस लौटा दिया गया। अफगान सरकार के आंकड़ों के मुताबिक पांच हजार से ज्यादा महिलाएं तो मिलिट्री सेक्टर में ही काम करती हैं। कामकाजी महिलाओं को अब घर में ही रहने का फरमान दिया जा रहा है।

महिला डाक्टर के घर में घुसकर जबर्दस्त तोड़फोड़ की : बता दें कि तालिबान ने सरकार बनते ही क्रूरता की सारी हदों को पार कर दिया है। कंधार में एक महिला डाक्टर के घर में घुसकर तालिबान ने जबर्दस्त तोड़फोड़ की, महिला और उसके परिवार

को कई घंटे तक यातना दीं। बाद में उसके परिवार के चार सदस्यों और एक पड़ोसी को उठा ले गए। एक अन्य घटना में महिलाओं के प्रदर्शन में भाग लेने पर एक अधिकार कार्यकर्ता की बेरहमी से पिटाई की, उस पर कोड़े बरसाए। कंधार की रहने वाली महिला डाक्टर फाहिमा रहमती शहर की बड़ी डाक्टर और अधिकार कार्यकर्ता हैं। वह चैरिटी के लिए होप फाउंडेशन संस्था चलाती हैं। इस संस्था के माध्यम से वह गरीब लोगों की मदद करती हैं। इनके घर में अचानक तालिबान ने धावा बोल दिया। घटना के संबंध में एक अधिकार कार्यकर्ता ने वीडियो वायरल किया है।

फाहिमा का वीडियो हुआ वायरल : इस वीडियो में फाहिमा ने पूरी घटना की जानकारी दी है। इस वीडियो में उनके घर में जबर्दस्त तोड़फोड़ भी दिखाई दे रही है। डा. फाहिमा ने बताया कि उनके घर अचानक तालिबान के लोग घुस आए। पहले उन्होंने घर में जबर्दस्त तोड़फोड़ की। उनके साथ मारपीट करते रहे। इसके बाद घर में मौजूद उनके दो भाई, देवर और एक पड़ोसी को पकड़कर क्रूर व्यवहार किया और बुरी तरह मारा पीटा। बाद में इन चारों लोगों का अपहरण कर लिया। महिला डाक्टर का कहना है कि न तो वह सरकारी अधिकारी हैं और न ही उनके यहां कोई सरकारी अधिकारी मौजूद था। इसके बाद भी पूर्व सुरक्षा अधिकारियों की वहां मौजूदगी का आरोप लगाकर उनके पूरे घर को निशाना बनाया गया। एएनआइ के अनुसार कंधार के इंटेलीजेंस प्रमुख रहमतुल्लाह ने कहा है कि पूर्व सुरक्षा अधिकारियों के वहां ठहरने की सूचना पर छापा मारा गया था।

कुर्सी संभालते ही पीसीबी के नए अध्यक्ष ने भारत-पाकिस्तान सीरीज पर दिया बयान

समर्थ संवाद, नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा सोमवार को की गई। पूर्व कप्तान रमीज रजा को यह नई जिम्मेदारी अगले तीन साल के लिए सौंपी गई है। क्रिकेट से कमेंटेटर बने रजा ने पाकिस्तान क्रिकेट को लेकर लगातार बदलाव की बात की थी और अब उन्होंने कमाल संभालने के बाद इस पर अमल करने की बात कही है। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज कराए जाने पर हमेशा ही सवाल रहता है इस पर रजा ने साफ किया उनको किसी बात की जल्दी नहीं है।

पीसीबी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमीज रजा ने सोमवार को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज पर बात की। उनका कहना था कि इस वक्त को यह नामुमकिन जैसा है लेकिन वह इस चीज को लेकर जल्दी में भी नहीं हैं। इस समय उनका पूरा ध्यान देश की घरेलू क्रिकेट को बेहतर करने पर है।

रमीज बोले, यह बहुत ही बड़ी चुनौती है और प्रधानमंत्री ने मुझे यह बहुत ही मुश्किल काम करने का जिम्मा दिया है। अभी तो बहुत सारे चीजों को सही करने की जरुरत है। देखिए इस वक्त भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज करना तो नामुमकिन है। भारत और पाकिस्तान इस वक्त सिर्फ आइसीसी के टूर्नामेंट में ही आपस में खेलते हैं। दोनों देशों के बीच किसी भी फार्मेट में कोई

द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जाती है। पीसीबी ने कई बार आइसीसी से इस बारे में गुहार लगाई है लेकिन बीसीसीआइ ने साफ कर दिया है कि जब तक भारत सरकार इस बात की अनुमति नहीं देती भारतीय टीम पाकिस्तान के साथ क्रिकेट के रिश्ते बहाल नहीं करेगा।

यहां के खेल का माडल राजनीति कि वजह से बर्बाद किया हुआ है। इस वक्त तो हमारा सारा ध्यान इसके स्तर को सही करने का होगा और हम इस चीज को लेकर किसी तरह की जल्दी में नहीं हैं। हमें इस समय घरेलू और स्थानीय क्रिकेट को बेहतर करने पर ध्यान देना है।